Janbharat Mail
30-4-2022

मंत्री ने अर्पित की शहीद वनपालों को पुष्पांजलि

देहरादून, संवाददाता। वनपाल स्मारक उन वनपालों के सर्वोच्च बलिदान का एक प्रतिनिधि है, जिन्होंने सेवा के दौरान हमारी प्राकृतिक विरासत अर्थात् हमारे जंगलों और उनकी अंतर्निहित जैव विविधता के संरक्षण के लिए बहुमूल्य वन संपदा की रक्षा में अपने जीवन का बलिदान दिया।

आज भूपेंद्र यादव मंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली ने वनपाल स्मारक का दौरा किया और उन सभी शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की, जिन्होंने मूल्यवान वनों ओर वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए अपनी जान गंवाई। सीपी गोयल महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव, एएस रावत महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), एसपी यादव अतिरिक्त महानिदेशक (वन संरक्षण), विभास रंजन अतिरिक्त महानिदेशक (वन्य जीव), डॉ. सुनीश बक्सी वन महानिरीक्षक (अनुसंधान एवं प्रशिक्षण), और डॉ. रेणु सिंह निदेशक वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून ने भी शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और वन अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी और वैज्ञानिक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के संकाय सदस्य और परिवीक्षाधीन वन अधिकारी, केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी, देहरादून के प्रधानाचार्य और प्रशिक्षु उपस्थित थे।

Hindustan
30-4-2022

एफआरआई में शहीद वनपालों को नमन : केंद्रीय मंत्री यादव ने शुक्रवार को एफआरआई के वनपाल स्मारक पर शहीदों को नमन किया, जिन्होंने वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए जान गंवाई। उन्होंने कहा कि यह स्मारक उन वनपालों के बलिदान का प्रतिनिधि है,जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए बलिदान दिया। इस दौरान डीजी फॉरेस्ट सीपी गोयल और आइसीएफआरई एएस रावत, अतिरिक्त महानिदेशक एसपी यादव और निदेशक डॉ. रेणू सिंह भी मौजूद रहीं। उन्होंने एफआरआई में वन-पर्यावरण से जुड़े विभिन्न मामलों में अधिकारियों के साथ बैठक भी की। उन्होनें प्रोजेक्ट एलीफेंट एवं कैंपा के संबंध में जानकारी ली।

The Hawk

30-4-2022

Floral Tribute By Minister, MoEF & CC At Foresters Memorial, Forest Research Institute, Dehradun

Dehradun (The Hawk): The Foresters Memorial is a representative of the supreme sacrifice of Foresters who laid down their lives in the line of duty for conservation of our natural heritage namely our forests and their inherent biodiversity. Today on 29th April, 2022, Shri Bhupender Yadav, Hon'ble Minister, Ministry of Environment, Forests & Climate Change, Government of India, New Delhi visited the Foresters Memorial and offered floral tribute to all beloved Martyrs who lost their life for protection of forests and wildlife in the country. He was accompanied by Sh. C P Goyal, Director General of Forests & Special Secretary, MoEF&CC, Sh. A. S. Rawat, Director General, Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Sh. S.P. Yadav, ADG(FC) MoEF&CC, Shri Vibhas Ranjan, ADG(WL), MoEF&CC, Dr. Suneesh Buxi, IGF(RT), MoEF&CC, and Dr. Renu Singh, Director, Forest Research Institute (FRI), Dehradun and other officers who also offered their floral tributes to the martyrs.

Senior officers and scientists of ICFRE and FRI, faculty and probationers of Indira Gandhi National Forest Academy(IGNFA), Principal, faculty and trainees of Central Academy for State Forest Service(CASFOS), Dehradun were present on the occasion.

Rashtriya Sahara
30-4-2022

केंद्रीय मंत्री ने वनपाल स्मारक पर चढ़ाए पुष्प

देहरादून (एसएनबी)। केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शुक्रवार को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) स्थित वनपाल स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को नमन किया। वनपाल स्मारक उन कार्मिकों की स्मृति में बनाया गया है जो सेवा के दौरान वन संपदा की रक्षा करते हुए शहीद हो गए।

केंद्रीय वन मंत्री ने कहा कि जिन कार्मिकों ने मूल्यवान वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए अपनी जान गंवाई है उनकी शहादत को भुलाया नहीं जा सकता है।

इस दौरान वन महानिदेशक सीपी गोयल, अतिरिक्त महानिदेशक एसपी यादव, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक एएस रावत, विभास रंजन, डा.सुनील बख्शी, डा.रेणु सिंह आदि भी मौजूद थे।

एफआरआई परिसर में है वनपाल स्मारक

The Himachal Times
30-4-2022

Minister Bhupender Yadav pays floral tribute in Foresters Memorial at FRI

Dehradun, April 29 (HTNS): The Foresters Memorial is a representative of the supreme sacrifice of Foresters who laid down their lives in the line of duty for conservation of our natural heritage namely our forests and their inherent biodiversity. Bhupender Yadav, Minister, Ministry of Environment, Forests & Climate Change, Government of India, New Delhi visited the Foresters Memorial and offered floral tribute to all Martyrs who lost their life for protection of forests and wildlife in the country on Friday. He was accompanied by C P Goyal, Director General of Forests & Special Secretary, MoEF&CC, A. S. Rawat, Director General, Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), S.P. Yadav, ADG(FC) MoEF&CC, Vibhas Ranjan, ADG(WL), MoEF&CC, Dr. Suneesh Buxi, IGF(RT), MoEF&CC, and Dr. Renu Singh, Director, Forest Research Institute (FRI), Dehradun and other officers who also offered their floral tributes to the martyrs. Senior officers and scientists of ICFRE and FRI, faculty and probationers of Indira Gandhi National Forest Academy(IGNFA), Principal, faculty and trainees of Central Academy for State Forest Service(CASFOS), Dehradun were present on the occasion.

Dainik Jagran

30-4-2022

वनपाल स्मारक वनपालकों के सर्वोच्च बलिदान का प्रतिनिधि : यादव

वन अनुसंधान संस्थान देहरादून कैंपस में साइकिल चलाते केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव • साभार-एफआरआइ

जागरण संवाददाता, देहरादून : केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वनपाल स्मारक उन वनपालकों के सर्वोच्च बलिदान का एक प्रतिनिधि है, जिन्होंने सेवा के दौरान हमारी प्राकृतिक विरासत अर्थात हमारे जंगलों और जैव विविधता के संरक्षण के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव तीन दिवसीय दौरे पर वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) में आए हुए हैं। शुक्रवार को उन्होंने यहां वनपाल स्मारक का दौरा कर बलिदानियों को पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के विशेष सचिव व वन महानिदेशक सीपी गोयल, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) के महानिदेशक एएस रावत, अतिरिक्त महानिदेशक (वन संरक्षण) एसपी यादव,अतिरिक्त महानिदेशक (वन्य जीव) विभास रंजन, वन महानिरीक्षक (अनुसंधान एवं प्रशिक्षण) डा. सुनीश बख्शी, वन अनुसंधान संस्थान की निदेशक डा. रेणू सिंह आदि ने भी शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पूर्व भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के नवनिर्मित पंडित दीन दयाल उपाध्याय तरणताल का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा था कि भारतीय वन सेवा (आइएफएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों के सिलेबस के अनुसार उन्हें तैराकी प्रशिक्षण भी दिया जाना अनिवार्य है। इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे भी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने एफआरआइ परिसर में चलाई साइकिल

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार सुबह वन अनुसंधान संस्थान परिसर में सुबह सात बजे से करीब पौने घंटे साइकिल चलाई। उन्होंने संस्थान के खूबसूरत परिसर को करीब से निहारा और कुछ पल के लिए मुख्य परिसर के मैदान में समय बिताया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि एफआरआइ देश के खूबसूरत रमणीय और हरियाली से परिपूर्ण परिसर है। उन्होंने परिसर के संरक्षण और सुंदरता के लिए संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा की।

आग के अलर्ट की जानकारी ली: केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भारतीय वन सर्वेक्षण का दौरा भी किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण की अपील की। संस्थान के महानिदेशक अनूप सिंह ने उन्हें सेटेलाइट के माध्यम से की जाने वाली जंगल की आग की निगरानी के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि आग की सूचना देशभर के विभागों के बीट कार्मिकों तक भेजी जाती है। केंद्रीय मंत्री ने उत्तराखंड में जंगलों में लगी आग के अलर्ट की भी जानकारी ली। साथ ही संस्थान में वाइल्डलाइफ फिजियोलाजी व डिजीज इकोलाजी लैब का भी उद्घाटन किया।

Uttar Bharat Live

30-4-2022

वनपाल स्मारक में शहीद वनपालों को को दी पुष्पांजलि

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

देहरादून। वनपाल स्मारक उन वनपालों के सर्वोच्च बलिदान का एक प्रतिनिधि है। जिन्होंने सेवा के दौरान हमारी प्राकृतिक विरासत अर्थात हमारे जंगलों और उनकी

अंतर्निहित जैव विविधता के संरक्षण के लिए बहुमूल्य वन संपदा की रक्षा में अपने जीवन का बलिदान दिया। शुक्रवार को पर्यावरणवन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मंत्री भारत सरकार भूपेंद्र यादव ने वनपाल स्मारक का दौरा किया, और उन सभी प्यारे शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। जिन्होंने मूल्यवान वनों ओर वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए अपनी जान गंवाई। सीपी गोयल महानिदेशक वन एवं विशेष सचिव, एएस रावत महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद आईसीएफआरई, एसपी यादव अतिरिक्त महानिदेशक वन संरक्षण विभास रंजन, अतिरिक्त महानिदेशक वन्य जीव डा. सुनीश बक्सी वन महानिरीक्षक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण और डा. रेणु सिंह निदेशक वन अनुसंधान संस्थान एफआरआई देहरादून ने भी शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और वन अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी और वैज्ञानिकए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के संकाय सदस्य और परिवीक्षाधीन वन अधिकारी केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी देहरादून के प्रधानाचार्य और प्रशिक्षु उपस्थित थे।